



# The Academic

(International Journal of Multidisciplinary Research)

Volume 4, Special Issue 1, February 2026

Special Issue of the Research Papers presented during the International Conference on “Indian Knowledge Tradition and the Philosophical Context of Modern Education: Innovation and Possibilities” organized by Dev Sanskriti College of Education and Technology (DSCET), Khapari, Durg (C.G.)

## Table of Contents

S. No.	Author(s) Name	Paper Title	Page Nos.
1	Dr. Sushma Shrivastava	Indian traditional knowledge approach to education	01-06
2	Vandana Kosre	Environmental, Education and Philosophy of Indian Sages.	07-15
3	Mrs. Harnoor Kaur	Relevance of Indian Knowledge Tradition in the Digital Age	16-24
4	Mrs. Kiran Rai, Dr. Rupa Shrivastava, Dr. Shabana	Game-Based Learning in Mathematics: A Review	25-34
5	Paramjit Singh	The Guru–Shishya Parampara: Reimagining Mentorship in Contemporary Education	35-51
6	Pratibha Prajapati	Contribution of Indian Knowledge Tradition at the Global Level	52-59
7	Dr. Poonam Mahajan	Value-Based and Holistic Educational Approaches in the Light of the National Educational Policy 2020	60-67
8	कु. रामेश्वरी साहू	भारतीय ज्ञान परंपरा से प्रेरित 21वीं सदी की शिक्षा	68-81
9	श्रीमती ममता दुबे	भारतीय ज्ञान परंपरा का वैश्विक स्तर पर योगदान	82-97



10	वर्षा शर्मा	विश्व गुरु भारत की कल्पना और शिक्षा की भूमिका	98-107
11	श्रीमती बबीता सिंह	भारतीय दर्शन (सांख्य, योग, न्याय, वेदांत, मीमांसा) और शिक्षा का स्वरूप	108-123
12	प्रीति जंघेल	साइबर क्राइम का सामाजिक प्रभाव	124-129
13	धनेश्वरी साहू	शिक्षा और नैतिक मूल्यों का संरक्षण	130-136
14	Mrs. Chitrarekha Raghuvanshi	डिजिटल युग में भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता	137-143
15	Dr. Jyoti Sharma	राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) और भारतीय ज्ञान परंपरा	144-152
16	प्रीति पाण्डेय	गुरुकुल परंपरा और आज की शिक्षा में प्रासंगिकता	153-159
17	डॉ० ज्योति दुबे तिवारी	रवीन्द्रनाथ टैगोर की मानवतावादी शैक्षिक दृष्टिकोण	160-167
18	ममता सिंह, डॉ० दुर्गावती मिश्रा	सृजनात्मकता का भारतीय दर्शन के तहत तकनीकी शिक्षा में एकीकरण	168-172
19	प्रीति जंघेल	गुरुकुल परम्परा और आज की शिक्षा में प्रासंगिकता	173-178
20	डॉ० सरोज नैय्यर	भारतीय जीवन मूल्यों के सन्दर्भ में सतत विकास और पर्यावरणीय नैतिकता	179-188